REPORT ON
CAMP ORGANISED AT EPCH OFFICE IN SAHARANPUR ON 14.12.2016 FOR OPENING OF BANK ACCOUNT OF KARIGARS AND ARTISANS

हस्तशिल्प उद्योग पर विमुद्रीकरण के प्रभाव को कम करने और हस्तशिल्प क्षेत्र के आधार कारीगरों एवं शिल्पकारों को समय पर भुगतान के उद्देश्य से हस्तशिल्प निर्यात संवर्धन परिषद ने 14 दिसंबर 2016 को ईपीसीएच ऑफिस Saharanpur में बैंक अकाउंट एवं जनधन अकाउंट खोलने के लिए कैंप का आयोजन किया.

राष्ट्रीयकृत ओरियंटल बैंक ऑफ कॉर्मस ने इसके लिए अपने अधिकारियों की एक टीम सहारनपुर भेजी. बैंक अकाउंट खोलने के अलावा उन्होंने कारीगरों और शिल्पकारों को कैशलेस भुगतान, ऑनलाइन पेमेंट, मोबाइल बैंकिंग (पेटीएम, बडी, ईवैलेट इत्यादि जैसी सेवाओं) के इस्तेमाल के लिए भी प्रेरित किया.

ओबीसी के साथ साथ, ऑनलाइन ट्रांसक्शन में सबसे बड़ी कंपनी Paytm ने भी अपनी टीम को सहारनपुर में भेजा जिन्होंने कारीगरों को ऑनलाइन ट्रांसक्शन्स के फायदों और ऑनलाइन पेमेंट कैसे करैं के बारे में बताया. बहुत **कारीगरों** और **शिल्पकारों** ने PAYtm में भी **अकाउंट खो**ले.

हस्तशिल्प निर्यात संवर्धन परिषद (ईपीसीएच) देश से भारतीय हस्तशिल्प को बढ़ावा देने और उच्च गुणवत्ता वाले हस्तशिल्प वस्तुओं के विश्वसनीय आपूर्तिकर्ता के रूप में विदेशों में भारत की छवि को बनाने में लगी व्यापार और उद्योग की एक शीर्ष संस्था है. हस्तशिल्प के निर्माण में कुशल, अर्धकुशल, अकुशल 70लाख से अधिक कारीगर खास कर महिलाएं और समाज के कमजोर वर्ग से कार्य में लगे हैं.

****